



जिला दण्डाधिकारी- सह-उपायुक्त का कार्यालय पश्चिमी सिंहभूम, चाईबासा
(भू-अर्जन शाखा)

दिनांक 29.03.2017 को अपराह्न 1.00 बजे समाहरणालय, प० सिंहभूम, चाईबासा में अपर उपायुक्त महोदय के अध्यक्षता में सिंहपोखरिया पी०डब्ल्यू०डी० पथ से जैतगढ़ भाया झींकपानी सिरिंगसिया पथ निर्माण योजना अंतर्गत S.I.A से आच्छादित ग्रामों का विशेषज्ञ समूह द्वारा सामाजिक प्रभाव आकलन प्रतिवेदन का अंकन (नियमावली के नियम 13 के आलोक में) हेतु बैठक कार्यवाही :-

उपस्थिति :- पंजी में संधारित है।

रजिस्ट्रार, कोल्हान विश्वविद्यालय चाईबासा के पत्र सं० C.C.D.C/146/17 दिनांक 27.03.2017 के द्वारा निर्गत सिंहपोखरिया पी०डब्ल्यू०डी० पथ से जैतगढ़ भाया झींकपानी सिरिंगसिया पथ निर्माण योजना अंतर्गत S.I.A से आच्छादित ग्रामों का सामाजिक प्रभाव आकलन प्रतिवेदन उपलब्ध कराया गया है। उक्त प्रतिवेदन के अनुसार S.I.A टीम के द्वारा सामाजिक प्रभाव मूल्यांकन के उपरांत उक्त परियोजना हेतु रोड बनाने हेतु सहमति प्रदान किया गया है। साथ ही S.I.A टीम ने प्रतिवेदित किया है कि विभिन्न ग्रामों में जनसुनवाई के दौरान 79.83 प्रतिशत लोग सड़क बनाने के पक्ष में है। जिला भू अर्जन पदाधिकारी के द्वारा सामाजिक प्रभाव आकलन प्रतिवेदन विशेषज्ञ समूह के समक्ष उपस्थापित किया गया।

सर्वप्रथम पुनर्व्यवस्थापन संबंधी विशेषज्ञ समूह के सदस्य नोडल पदाधिकारी S.I.A कोल्हान यूनिवर्सिटी चाईबासा के द्वारा दो पहलुओं पर सुझाव दिये :-

(क) सिंहपोखरिया पी०डब्ल्यू०डी० पथ से जैतगढ़ भाया झींकपानी सिरिंगसिया पथ हेतु सुझाव:-

1. सिंहपोखरिया पी०डब्ल्यू०डी० पथ से जैतगढ़ भाया झींकपानी सिरिंगसिया पथ के लिए जिन रैयतों की जमीन ली जाएगी, उनकी स्पष्ट रूप से पहचान की जाए।
2. जिन रैयतों की जमीन ली जाएगी, मुआवजा भी उन्हीं को देना सुनिश्चित किया जाए।
3. मुआवजा की राशि का भुगतान बैंक के माध्यम से किया जाए।
4. पूरे मुआवजे का भुगतान सही समय सीमा में तीन से चार महीने में किया जाए।
5. मुआवजा आकर्षक दर से दिया जाए, ताकि रैयतों को भी संतोष हो। सरकारी नियम के अनुसार ग्रामीण क्षेत्रों में सरकारी दर का चार गुणा और शहरी क्षेत्रों में सरकारी दर का दो गुणा मुआवजे का प्रावधान है यदि इसे और बढ़ाया जा सके तो उत्तम होगा।
6. सड़क बनाने से कोई परिवार बेघर न हो इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए।
7. जमीन देने वाले सभी रैयतों को आवश्यकतानुसार सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिया जाए।
8. जमीन देने वाले रैयतों की आजीविका के लिए जो सुझाव दिए गए हैं उसपर गंभीरता से विचार किया जाए।

(ख) रैयतों की आजीविका हेतु सुझाव

1. स्वयं सहायता समूह :- ग्रामीण महिलाओं को स्वयं सहायता समूह से जोड़कर उन्हें बकरी/सूकर/मुर्गी पालन के लिए प्रेरित किया जा सकता है। महिलाएं यदि शिक्षित हैं तो उन्हें जनवितरण प्रणाली की दूकान भी आवंटित करायी जा सकती है। जब महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त होंगी तब वे समाज के विकास में सहयोग कर पायेंगी।
2. मत्स्य पालन :- सिंहपोखरिया पी०डब्ल्यू०डी० पथ से जैतगढ़ भाया झींकपानी सिरिंगसिया पथ के निर्माण के लिए जमीन देने वाले ग्रामीणों, युवकों को मत्स्य मित्र


बनाकर उनकी आजीविका के लिए बेहतर प्रयास किया जा सकता है। राज्य में मत्स्य पालन के क्षेत्र में अच्छी संभावना है मत्स्य पालन से रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

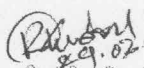
3. सहकारिता समिति :- सिंहपोखरिया पी०डब्ल्यू०डी० पथ से जैतगढ़ भाया झींकपानी सिरिंगसिया पथ के किनारे ट्रांसपोर्ट नगर बनाकर एक कोऑपरेटिव सोसाईटी का गठन कर पेट्रोल पंप लगाकर उसके संचालन की जिम्मेवारी रैयतों को दे दी जाए।
4. शिक्षा में गुणात्मक सुधार :- अनुसूचित जनजाति और गरीब तबके की बालिकाओं को शिक्षा दिलाने के लिए आवासीय विद्यालय में दाखिला दिलाया जा सकता है। वहीं विद्यालय में ही इन्हें कौशल विकास योजना से जोड़कर मांग के अनुरूप इन्हें प्रशिक्षित किया जा सकता है।
5. पेंशन एवं इंदिरा आवास योजना :- क्षेत्र की गरीब विधवा महिला और बुजुर्गों को सरकार की पेंशन योजना और इंदिरा आवास योजना के माध्यम से सहायता दी जा सकती है। छोटे बच्चों को आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से सहायता दी जाए और इसकी निगरानी की जाए।
6. हरित क्षेत्र एवं फलदार पौधे :- महत्वपूर्ण बात यह कि सिंहपोखरिया पी०डब्ल्यू०डी० पथ से जैतगढ़ भाया झींकपानी सिरिंगसिया पथ में जो सड़क बनेगी उसमें दोनों किनारे बांस, केला और अन्य फलदार पेड़- पौधे लगा दिए जाये और इससे जो आमदनी होगी उसपर उस क्षेत्र के पंचायत को अधिकार दिया जाए।

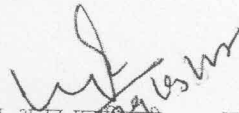
सामाजिकी विज्ञानी रंजीत किन्डो सी.एस.ओ द्वारा उपरोक्त सुझाव के अलावे अपना विचार व्यक्त किया गया कि उस क्षेत्र के लोगों को कौशल विकास योजना के तहत रोजगार उपलब्ध कराया जाय। साथ ही भूमिहीन से किस तरह का रोजगार चाहिए पर राय लिया जाना चाहिए।

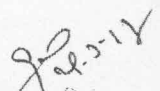
विशेषज्ञ समूह द्वारा सर्वसम्मति से उपरोक्त सुझाव पर समुचित सरकार से आवश्यक कार्रवाई करने की एवं सिंहपोखरिया पी०डब्ल्यू०डी० पथ से जैतगढ़ भाया झींकपानी सिरिंगसिया रोड हेतु अधिग्रहण करने की अनुशंसा करने का निर्णय लिया गया।

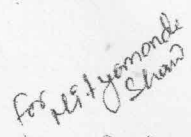
अंत में सर्वसम्मति के साथ बैठक की कार्यवाही समाप्त की गयी।


श्री अतुल कुमार पाण्डेय
प्रदान टांटे
29.03.17


श्री रंजीत किन्डो
CSO खूंटपानी
TRTC Lupungut
प्रखंड
29.02.2017


जिला भू-अर्जन पदाधिकारी
प० सिंहभूम,
चाईबासा
29.03.2017


कार्यपालक अभियंता
पथ निर्माण विभाग
पथ प्रमण्डल, चाईबासा।
29.3.17


नोडल पदाधिकारी
S.I.A कोल्हान
यूनिवर्सिटी


अपर उपप्रमुख
प० सिंहभूम
चाईबासा
29.3.17